भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1930**
दिनांक 11.03.2025 को उत्तरार्थ

**ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना**

†1930 श्रीमती अनीता शुभदर्शिनीः
डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगेः
श्री ज्ञानेश्वर पाटीलः

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ई-पंचायत मिशनमोड परियोजना (एमएमपी) के अंतर्गत प्रदान की गई डिजिटल अवसंरचना प्रयोक्ता-हितैषी है और यह देश में विशेष कर दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित ग्राम पंचायतों में आसानी से उपलब्ध है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार का भविष्य में ई-पंचायत मिशनमोड परियोजना में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में ई-पंचायत मिशनमोड परियोजना के अंतर्गत राज्य-वार विशेष कर मध्य प्रदेश में डिजिटली कृत की गई पंचायतों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या देश में राज्यवार विशेष कर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में शेष पंचायतों के डिजिटली करण हेतु कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(ङ) पंचायतों के डिजिटली करण के माध्यम से प्रशासन और सार्वजनिक सेवा प्रदायगी में कितना सुधार होने की उम्मीद है?

**उत्तर**

**पंचायती राज राज्यमंत्री**
**(प्रोफ. एस. पी. सिंह बघेल)**

(क) से (ङ) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत, पंचायती राज मंत्रालय महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना (एमएमपी) को लागू कर रहा है। इसका उद्देश्य पंचायतों के कामकाज में सुधार लाना और उन्हें अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाना है। मंत्रालय ने पंचायत की आयोजना, लेखांकन और बजटन जैसे कार्यों को सरल बनाने के लिए एक लेखांकन एप्लिकेशन ई-ग्रामस्वराज शुरू किया है। मंत्रालय ने विक्रेताओं/सेवा प्रदाताओं को वास्तविक समय पर भुगतान करने हेतु ग्राम पंचायतों (जीपी) के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के साथ ई-ग्रामस्वराज को भी एकीकृत किया है। वर्ष 2024-25 के लिए ई-ग्रामस्वराज के तहत महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा की गई प्रगति **अनुबंध-I** में दी गई है।

मंत्रालय ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना (एमएमपी) को निरंतर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त फीडबैक और इनपुट के आधार पर, विभिन्न एप्लीकेशनों में आवश्यक संशोधन किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पंचायत अधिकारियों और हितधारकों के बीच डिजिटल साक्षरता को

मजबूत करने के लिए क्षमता-निर्माण की पहल की जा रही है जिससे डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावपूर्ण उपयोग सुनिश्चित हो सके।

मंत्रालय ने पंचायत स्तर पर डिजिटल सेवा प्रदायगी को बढ़ाने के लिए सर्विसप्लस को भी लागू किया है। यह समनुरूप/कॉन्फ़िगर करने योग्य प्लेटफ़ॉर्म इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं के तेजी से  लागू करने में सक्षम बनाता है। यह प्लेटफ़ॉर्म 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 3,606 से अधिक सेवाओं की सुविधा प्रदान करता है, वर्कफ़्लो को सुव्यवस्थित करता है, पारदर्शिता बढ़ाता है और दक्षता सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, मंत्रालय ने स्थानीय कार्यों को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ संरेखित करते हुए आदर्श पंचायत नागरिक चार्टर भी प्रस्तुत किया है। यह फ्रेमवर्क नागरिकों की शिकायतों का प्रभावी समाधान करते हुए समयबद्ध तरीके से सेवाएं देने में पंचायतों का मार्गदर्शन करता है। वर्ष 2021 में आयोजित अभियान "मेरी पंचायत, मेरा अधिकार - जन सेवाएँ हमारे द्वार" ने इन प्रयासों को मज़बूत किया है। अब तक, 2.15 लाख ग्राम पंचायतों ने अपने नागरिक चार्टर अपलोड किए हैं, जो 954 प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं।

इसके अलावा, डिजिटल इंडिया के विजन को प्राप्त करने के लिए, भारतनेट परियोजना को दूरसंचार विभाग (DoT) द्वारा चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है ताकि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश की सभी ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की जा सके। अब तक कुल 2.68 लाख ग्राम पंचायतों/पारंपरिक स्थानीय निकायों (TLB) में से 2.18 लाख ग्राम पंचायतों/ पारंपरिक स्थानीय निकायों को भारतनेट परियोजना के तहत हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने हेतु सेवा के लिए तैयार किया गया है। डिजिटल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए, भारतनेट चरण- I और चरण- II के मौजूदा नेटवर्क के उन्नयन और शेष ग्राम पंचायतों में नेटवर्क के निर्माण के लिए संशोधित भारतनेट कार्यक्रम को 04.08.2023 को कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया गया था। बीएसएनएल को परियोजना प्रबंधन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

पंचायतों के डिजिटलीकरण से शासन और सार्वजनिक सेवा प्रदायगी में महत्वपूर्ण सुधार आने की उम्मीद है। मुख्य लाभों में वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि, कुशल आयोजना और बजटन, निर्बाध रूप से डिजिटल रिकॉर्ड रखना और ग्रामीणों के लिए सरकारी सेवाओं तक बेहतर पहुँच शामिल है। पीएफएमएस के साथ एकीकरण समय पर भुगतान सुनिश्चित करता है, देरी को कम करता है और वित्तीय दक्षता को बढ़ाता है। कुल मिलाकर, ई-पंचायत एमएमपी जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत कर रहा है और पंचायतों को स्थानीय स्वशासन की इकाइयों के रूप में अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बना रहा है।

*****

अनुबंध- I

'ई-पंचायत मिशनमोड परियोजना' के संबंध में दिनांक 11.03.2025 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1930 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध ।

**वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पंचायत स्तर पर अपनाई गई ई-ग्रामस्वराज परियोजना**

| क्र. सं. | राज्य का नाम | ग्राम पंचायतों की कुल संख्या एवं समकक्ष | ऑनबोर्ड ग्राम पंचायत | ऑनलाइन भुगतान करने वाली ग्राम पंचायतें और समकक्ष | ब्लॉक पंचायतों की कुल संख्या और समकक्ष | ऑनबोर्ड ब्लॉक पंचायत | ऑनलाइन भुगतान करने वाली ब्लॉक पंचायतें | जिला पंचायतों की कुल संख्या और समकक्ष | ऑनबोर्ड जिला पंचायत | ऑनलाइन भुगतान करने वाली जिला पंचायतें |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | आंध्रप्रदेश | 13328 | 13296 | 12970 | 660 | 660 | 642 | 13 | 13 | 13 |
| 2 | अरुणाचलप्रदेश | 2108 | 2106 | 222 | 0 | 0 | 0 | 27 | 25 | 8 |
| 3 | असम | 2662 | 2197 | 2176 | 191 | 191 | 189 | 30 | 29 | 27 |
| 4 | बिहार | 8054 | 8054 | 8045 | 534 | 534 | 530 | 38 | 38 | 38 |
| 5 | छत्तीसगढ़ | 11596 | 11594 | 11516 | 146 | 146 | 146 | 27 | 27 | 27 |
| 6 | गोवा | 191 | 190 | 93 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 | 2 |
| 7 | गुजरात | 14656 | 14599 | 13890 | 248 | 248 | 248 | 33 | 33 | 33 |
| 8 | हरियाणा | 6226 | 6222 | 5914 | 143 | 143 | 134 | 22 | 22 | 22 |
| 9 | हिमाचलप्रदेश | 3615 | 3614 | 3540 | 81 | 81 | 81 | 12 | 12 | 12 |
| 10 | झारखंड | 4345 | 4345 | 4329 | 264 | 264 | 262 | 24 | 24 | 24 |
| 11 | कर्नाटक | 5954 | 5954 | 5937 | 238 | 232 | 126 | 31 | 31 | 28 |
| 12 | केरल | 941 | 941 | 941 | 152 | 152 | 152 | 14 | 14 | 14 |

| क्र. सं. | राज्य का नाम | ग्राम पंचायतों की कुल संख्या एवं समकक्ष | ऑनबोर्ड ग्राम पंचायत | ऑनलाइन भुगतान करने वाली ग्राम पंचायतें और समकक्ष | ब्लॉक पंचायतों की कुल संख्या और समकक्ष | ऑनबोर्ड ब्लॉक पंचायत | ऑनलाइन भुगतान करने वाली ब्लॉक पंचायतें | जिला पंचायतों की कुल संख्या और समकक्ष | ऑनबोर्ड जिला पंचायत | ऑनलाइन भुगतान करने वाली जिला पंचायतें |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 13 | मध्यप्रदेश | 23011 | 23009 | 22980 | 313 | 313 | 310 | 52 | 52 | 52 |
| 14 | महाराष्ट्र | 27917 | 27894 | 26737 | 351 | 351 | 307 | 34 | 34 | 34 |
| 15 | मणिपुर | 3180 | 161 | 123 | 0 | 0 | 0 | 12 | 6 | 4 |
| 16 | मेघालय | 6817 | 0 | 0 | 2241 | 0 | 0 | 3 | 3 | 0 |
| 17 | मिजोरम | 842 | 842 | 832 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 18 | नागालैंड | 1289 | 186 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 19 | ओडिशा | 6794 | 6794 | 6793 | 314 | 314 | 314 | 30 | 30 | 30 |
| 20 | पंजाब | 13237 | 13222 | 9775 | 152 | 151 | 114 | 22 | 22 | 19 |
| 21 | राजस्थान | 11211 | 11207 | 10837 | 361 | 353 | 351 | 33 | 33 | 33 |
| 22 | सिक्किम | 199 | 199 | 195 | 0 | 0 | 0 | 6 | 6 | 6 |
| 23 | तमिलनाडु | 12525 | 12525 | 12519 | 388 | 388 | 388 | 36 | 36 | 36 |
| 24 | तेलंगाना | 12991 | 12768 | 12636 | 572 | 540 | 508 | 32 | 32 | 32 |
| 25 | त्रिपुरा | 1194 | 1185 | 1174 | 75 | 75 | 75 | 9 | 9 | 9 |
| 26 | उत्तराखंड | 7795 | 7794 | 7743 | 95 | 95 | 95 | 13 | 13 | 13 |
| 27 | उत्तरप्रदेश | 57691 | 57691 | 57609 | 826 | 826 | 818 | 75 | 75 | 75 |
| 28 | पश्चिमबंगाल | 3339 | 3339 | 3338 | 345 | 345 | 345 | 22 | 21 | 21 |
| **कुल** | | **263708** | **251928** | **242864** | **8690** | **6402** | **6135** | **652** | **642** | **612** |

***